सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391 RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

नारी की कुछ शक्तियां नारी को शक्ति का दर्जा देती है : बी.के. डॉ. सविता बहन

जीतु सोमपुरा

सुख शांति समृद्धि पत्रिका : नारी में ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं जो नारी को शक्ति का दर्जा देती हैं?

बी.के. डॉ. सविता बहन (आबु रोड) : भारतीय संस्कृति में देवियों का पूजन शक्तिरूप में होता है। हम नवरात्रि एक बार नहीं दो बार मनाते हैं, शक्ति स्वरूप में । नारी का ही पूजन होता है इसलिये नारी-शक्ति कहते हैं, नर-शक्ति स्वरूप नहीं। उन्हें अष्टभुजाधारी अस्त्र शस्त्रों सहित दिखाया है, जिससे वह किसी न किसी असुर का संहार करती है, पर यह स्वरूप प्रतीकात्मक है, अस्त्र - शस्त्र उनकी देवी शक्तियों के प्रतीक है, जिनसे वह बुराईयों रूपी आसुरी संस्कारों को समाप्त कर देती है, नारी की कुछ शक्तियां जो उसे शक्ति का दर्जा देती हैं, निम्न लिखित हैं

समा योजन शक्ति- बाल्यकाल से ही यह शक्ति नारी में होती है। विवाह के पश्चात् एक नारी न केवल दूसरे परिवार को अपनाती है बल्कि उस परिवार के नियम मर्यादाओं, रीति-रिवाजों व परिवार के सदस्यों के स्वभाव के अनुरूप अपने को सहज ही समायोजित भी कर लेती है। इसी विशेषता के आधार से एक नारी घर- परिवार बनाती है, बसाती है और इसीलिए उसे गृह-लक्ष्मी, गृह-स्वामिनी, गृहिणी इत्यादि उपनाम दिये जाते हैं।

सृजन शक्ति - यह वो अद्‌भुत शक्ति है जो केवल नारी को ही प्राप्त है। नारी माँ है, जननी है, निर्मात्री है, रचयिता है और इस दृष्टि से वह ईश्वर के समकक्ष है। वह न केवल भावी पीढ़ी का सृजन करती है, बल्कि संस्कार-सिंचन भी करती है। वह धरती माँ की तरह पैदा करती और पालना करती है। वह धरती जैसी धैर्यवान और सहनशील है।

भक्ति की शक्ति- धर्मग्रन्थों में नारी को शिव-शक्ति और शिव-भक्ति कहा गया है। उसका ईश्वर में जो अटूट विश्वास है, जो आस्था, जो भावना है, जो प्रेम है, जो लगन है, वो अग्नि के समान प्रज्वलित रह उसका पथ-प्रदर्शन करती है। भक्ति से नारी अपने कठिन पथ को सरल बनाती है और जीवन-संग्राम में आने वाली परिस्थितियों से जूझने का संबल और साहस प्राप्त करती है। इसी से वह अपने मनोरथ को सिद्ध करती है और असंभव को संभव कर दिखाती है।

स्नेह की शक्ति - स्नेह वह महान गुण और शक्ति है जो प्राण-वायु के समान जीवन को गति और सुकून देता है। जब बालक इस संसार में आता है तो माँ के स्नेह की अनमोल शीतल छत्रछाया में उसका सही पालन और विकास होता है।

माँ के रूप में नारी ममता की सुन्दर मूरत है जिसके रोम-रोम में अथाह, अनुपम स्नेह समाया है। माँ, बेटी, बहन, पत्नी, दोस्त हर रूप से वो स्नेह-वर्षा बरसाती है। इस स्नेह-प्रेम की अद्‌भुत शक्ति से वह परिवार के सभी सदस्यों को अपना बना लेती है और सबके दिलों पर राज करती है।

पवित्रता की शक्ति - यह वह शक्ति है जो नारी को आकाश की ऊँचाई प्रदान करती है। इस कलिकाल के समय में नर और नारी दोनों का ही पतन हुआ है फिर भी निर्विवाद रुप से नारी की दृष्टि-वृत्ति नर की तुलना में बहुत पवित्र है।

पवित्रता ही महान और पुज्य बनने का आधार है। भारत में देवों की भेंट में देवियों की जो इतनी पूजा होती है, नारी की पवित्रता की शक्ति को दर्शाती है। इस शक्ति के द्वारा ही नारी ने सदियों से अपने अस्तित्व को भी सुरक्षित रखा है और इस संसार को पतन के गर्त में गिरने से बचाया है। उपरोक्त शक्तियों के अलावा नारी में अनेक महान शक्तियाँ समाहित हैं तथा त्याग की शक्ति, सहनशक्ति, परिवर्तन शक्ति आदि-आदि। इन शक्तियों के सम्मिलित स्वरूप का नाम ही नारी है, वही अष्टभुजाधारी देवी दुर्गा है जिसके आगे पुरूष भी शक्तियों का याचक बन नतमस्तक होता है।

नहीं बड़ी तन की शक्ति,
बल और धन की शक्ति ।
सबसे बड़ी मन की शक्ति,
सृजन और पालन शक्ति ।
इसलिए नारी का पक्ष भारी,
शक्ति का नाम है नारी ।।

सच्चा गुरु किसे कहेंगे? : ज्ञानेश्वरदासजी महाराज

जीतु सोमपुरा : गुरु शिष्य का संबंध क्यों श्रेष्ठ संबंध है?

जगद्‌गुरु संतपंथाचार्य श्री ज्ञानेश्वरदासजी महाराज : भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्णने अपने अपने गुरु से ज्ञान प्राप्त किया ये ही हमारी परंपरा हैं। परमात्मा शिष्य बनकर ज्ञान प्राप्त करते हैं तौ गुरु बनकर ज्ञान देते हैं।

कई प्रकार के गुरु होते हैं, जैसे की मा-बाप, शिक्षक, योग्य सलाह देनेवाले हमारे साथी, जीनसे आपको नोकरी-धंधे में आगे बढ़ने का हुन्नर प्राप्त होता हैं वे वरिष्ठ आपके गुरु है । लेकिन सच्चा गुरु किसे कहेंगे ? सच्चा गुरु वो ही है जो आपको आत्मबोध दे, मन के अंदर के दुर्गुणो का नाश करे, आपके अंदर के अधूरेपन को दूर करके पूर्णता का ज्ञान प्रदान करें, अंधश्रद्धा को दूर करके श्रद्धा का निर्माण करे ।

याद रहे संसार के संबंधो से आपको सही खुशी प्राप्त नहीं होगी। लेकिन गुरु शिष्य के संबंध से आलोक और परलोक का श्रेष्ठ प्राप्त होगा। इसलीये आइये हम सब मिलकर आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़े।

हम वो अमृत फेंक कर उनमें कीचड भरने का काम क्यों कर रहे हैं? : योगीराज डॉ. स्वामी आनंद गिरी

जीतु सोमपुरा : आपके मतानुसार आज के समय में हमे किन बातो पर विचार करना चाहीये?

योगीराज डॉ. स्वामी आनंदगिरीजी महाराज : हमारे पास तो पहले से ही अमृत से भरे कलश थे...

फिर हम वो अमृत फेंक कर उनमें कीचड़ भरने का काम क्यों कर रहे हैं... ?

जरा इन पर विचार करें...

- यदी **मातृनवमी** थी, तो मदर्स डे क्यों लाया गया ?
- यदी **कौमुदी महोत्सव** था, तो वेलेंटाईन डे क्यों लाया गया ?
- यदी **गुरुपूर्णिमा** थी, तो टीचर्स डे क्यों लाया गया ?
- यदी **धन्वन्तरि जयन्ती** थी, तो डाक्टर्स डे क्यों लाया गया ?
- यदी **विश्वकर्मा जयंती** थी, तो प्रद्यौगिकी दिवस क्यों लाया गया ?
- यदी **सन्तान सप्तमी** थी, तो चिल्ड्रन्स डे क्यों लाया गया ?
- यदी **नवरात्रि** और **कन्या भोज** थी, तो डॉटर्स डे क्यों लाया गया ?
- **रक्षाबंधन है** तो सिस्टर्स डे क्यों ?
- **भाईदूज** है ब्रदर्स डे क्यों ?
- **आंवला नवमी, तुलसी विवाह** मनानेवाले हिंदुओं का एनवायरमेंट डे की क्या आवश्यकता ?
- केवल इतना ही नहीं, **नारद जयन्ती** ब्रह्माण्डीय पत्रकारिता दिवस है...
- **पितृपक्ष** ७ तक के पूर्वजों का पितृपर्व है...
- **नवरात्रि** को स्त्री के नवरूप दिवस के रूप में स्मरण कीजिये...

सनातन पर्वों को अवश्य मनाईये...

आपकी सनातन संस्कृति में मनाए जानेवाले विभिन्न पर्व और त्योहार मिशनरीयों के धर्मांतरण की राह में बाधक है, बस इसीलिए आपके धार्मिक परंपराओं से मिलते जुलते प्रोग्राम लाए जा रहे हैं मिशनरीयों द्वारा ।

ताकि आपको सनातन सभ्यता से तोड़कर धर्मांतर की ओर प्रेरित किया जा सके...

अब पृथ्वी के सनातन भाव को स्वीकार करना ही होगा । यदि हम समय रहते नहीं चेते तो वे ही हमें वेद, शास्त्र, संस्कृत भी पढ़ाने आ जाएंगे।

इसका एक ही उपाय है कि अपनी जड़ों की ओर लौटिए । अपने सनातन मूल की ओर लौटिए, व्रत, पर्व, त्यौहारों को मनाइए, अपनी संस्कृति और सभ्यता को जीवंत कीजिये। जीवन में भारतीय पंचांग अपनाना चाहिए, जिससे भारत अपने पर्वों, त्यौहारों से लेकर मौसम की भी अनेक जानकारियां सहज रूप से जान व समझ लेता है।

सुख शांति समृद्धि पत्रिका मोबाइल पर पाना चाहते हो तो हमारे मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके 'Yes' के साथ नाम और स्थान लिखकर भेजे । – Jitu Sompura

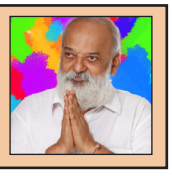

Sukh shanti samruddhi
sukh_shanti_samruddhi
9324446487 / 7977846391

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391

RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए महास्पर्धा में हिस्सा लिजिए

सुविचार पूर्ण करो महास्पर्धा - ३४४

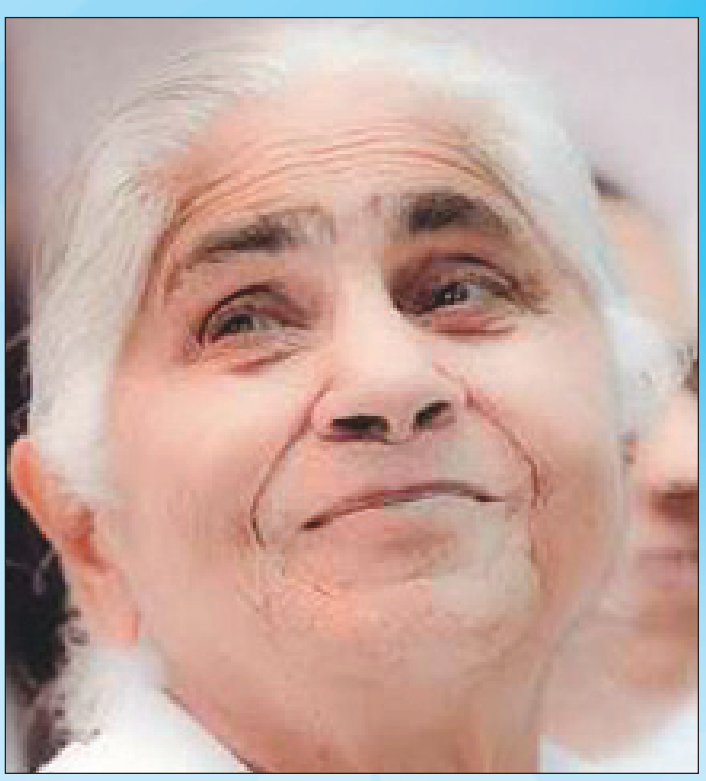

अपनी व दूसरो की बीती को व गलतियो को ____?____ का अभ्यास करने से सब अच्छा होगा :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका अव्यक्त राजयोगिनी दादी ब्रह्माकुमारी जानकीजी

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा पाना चाहते हैं?

मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके अपना नाम, मोबाईल नंबर और शहर के नाम के साथ 'Yes' लिखकर हमें व्हॉट्सॲप करें और बिना मूल्य whatsapp पर पत्रिका द्वारा प्रेरणा पायें ।

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

संक्षिप्त में धर्म के प्रेरणादायी समाचार आप हमे भेजते रहें ऐसी प्रार्थना : मो.नं. 9324446487

Jitu Sompura

Sukh shanti samruddhi

sukh_shanti_samruddhi

9324446487 / 7977846391

जवाब : भूलने

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391

RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए महास्पर्धा में हिस्सा लिजिए

सुविचार पूर्ण करो महास्पर्धा - ३४५

गुलाब के फूल की पैदाइस खाद से होती है। इसी तरह ___?___ से भी अच्छाई ले लो। भगवान ने ये ताकत दी है तो उसका उपयोग करो :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगीनी दादी ब्रह्माकुमारी हृदयमोहिनीजी (गुलजार दादी)

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा पाना चाहते हैं?

मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके अपना नाम, मोबाईल नंबर और शहर के नाम के साथ 'Yes' लिखकर हमें व्हॉट्सॲप करें और बिना मूल्य whatsapp पर पत्रिका द्वारा प्रेरणा पायें ।

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

संक्षिप्त में धर्म के प्रेरणादायी समाचार आप हमे भेजते रहें ऐसी प्रार्थना : मो.नं. 9324446487

Jitu Sompura

Sukh shanti samruddhi

sukh_shanti_samruddhi

9324446487 / 7977846391

जवाब : बुराई

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391

RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए महास्पर्धा में हिस्सा लिजिए

सुविचार पूर्ण करो
महास्पर्धा - ३४६

जब आपका मन फालतु विचार करता है तब आपका समय व्यर्थ जाता है इसलिए बिन जरुरी-नकारात्मक विचारो से दूर रहे और ---?--- का अनुभव पाइये :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की उपमुख्य प्रशासिका राजयोगीनी दादी ब्रह्माकुमारी रतनमोहिनीजी

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा पाना चाहते हैं?

मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके अपना नाम, मोबाईल नंबर और शहर के नाम के साथ 'Yes' लिखकर हमें व्हॉट्सॲप करें और बिना मूल्य whatsapp पर पत्रिका द्वारा प्रेरणा पायें ।

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

संक्षिप्त में धर्म के प्रेरणादायी समाचार आप हमे भेजते रहें ऐसी प्रार्थना : मो.नं. 9324446487

Jitu Sompura

Sukh shanti samruddhi

sukh_shanti_samruddhi

9324446487 / 7977846391

जवाब : शांति

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391

RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए महास्पर्धा में हिस्सा लिजिए

सुविचार पूर्ण करो महास्पर्धा - ३४७

जब जिंदगी का कोई भी चैनल साफ न दिखाई दे तो, रिमोट कंट्रोल ——?—— के हाथो में सौंप देना चाहिये :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शिवानीजी

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा पाना चाहते हैं?

मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके अपना नाम, मोबाईल नंबर और शहर के नाम के साथ 'Yes' लिखकर हमें व्हॉट्सॲप करें और बिना मूल्य whatsapp पर पत्रिका द्वारा प्रेरणा पायें ।

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

संक्षिप्त में धर्म के प्रेरणादायी समाचार आप हमे भेजते रहें ऐसी प्रार्थना : मो.नं. 9324446487

Jitu Sompura

Sukh shanti samruddhi

sukh_shanti_samruddhi

9324446487 / 7977846391

जवाब : ईश्वर

सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति के लिए संत महात्मा और महानुभावों के प्रेरक संदेश की पत्रिका

॥ सुख शांति समृद्धि ॥

पत्रिका के साथ साथ विद्यापीठ भी...

संपादक : जीतु सोमपुरा

Telegram / whatsapp आवृत्ति के लिए संपर्क : 9324446487 / 7977846391

RNI No. : MAHHIN / 2012 / 47712 www.sukhshantisamruddhi.in

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए महास्पर्धा में हिस्सा लिजिए

सुविचार पूर्ण करो
महास्पर्धा - ३४८

_____? ही सच्ची एवम् स्थायी सुख शांति समृद्धि का आधार है। जीवन की अमूल्य निधि है :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी मनोरमाबेन

सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा पाना चाहते हैं?

मोबाइल नंबर 9324446487 और 7977846391 अपने मोबाइल में Save करके अपना नाम, मोबाईल नंबर और शहर के नाम के साथ 'Yes' लिखकर हमें व्हॉट्सॲप करें और बिना मूल्य whatsapp पर पत्रिका द्वारा प्रेरणा पायें ।

धर्म-संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की प्रार्थना : विज्ञापन, सौजन्य, प्रायोजक के लिए संपर्क : मो. नं. 7977846391

संक्षिप्त में धर्म के प्रेरणादायी समाचार आप हमे भेजते रहें ऐसी प्रार्थना : मो.नं. 9324446487

Jitu Sompura

Sukh shanti samruddhi

sukh_shanti_samruddhi

9324446487 / 7977846391

जवाब : पवित्रता